अंक – 97 15.11.2025 शनिवार

कैमूर चेतना सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

- ❖ संपादकीय
- ❖ बिरसा मुंडा
- ❖ बिहार राज्य गीत
- ❖ छात्र – प्रतिज्ञा
- ❖ राष्ट्रगान
- ❖ आज का सुविचार
- ❖ दिवस विशेष
- ❖ सामान्य ज्ञान
- ❖ शब्द ज्ञान
- ❖ कंप्यूटर ज्ञान
- ❖ तर्क ज्ञान
- ❖ प्रेरक प्रसंग
- ❖ रोचक तथ्य
- ❖ बूझो तो जाने
- ❖ सुरक्षित शनिवार
- ❖ विभागीय सूचना

NOVEMBER 2025

S	M	T	W	T	F	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

General Election to Assembly Constituencies: Trends & Results November-2025

Bihar

BJP	JD(U)	RJD	LJPRV	INC	AIMIM	HAMS	Others
89	85	25	19	6	5	5	9

Party Wise Results

Party	Won	Leading	Total
Bharatiya Janata Party - BJP	89	0	89
Janata Dal (United) - JD(U)	85	0	85
Rashtriya Janata Dal - RJD	25	0	25
Lok Janshakti Party (Ram Vilas) - LJPRV	19	0	19
Indian National Congress - INC	6	0	6
All India Majlis-E-Ittehadul Muslimeen - AIMIM	5	0	5
Hindustani Awam Morcha (Secular) - HAMS	5	0	5
Rashtriya Lok Morcha - RSHTLKM	4	0	4
Communist Party of India (Marxist-Leninist) (Liberation) - CPI(ML)(L)	2	0	2
Indian Inclusive Party - IIP	1	0	1

Constituency Wise Results

Select Constituency

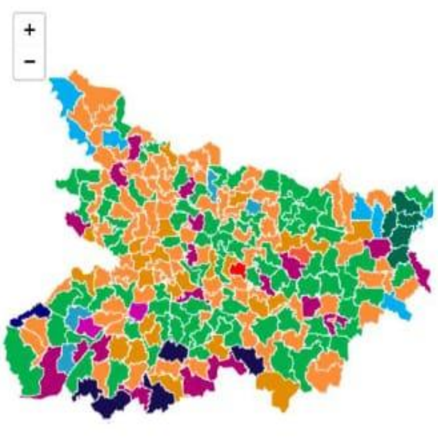

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्ताकाश मंच ,
भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

धरती आबा : बिरसा मुंडा

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को रांची जिले (अब झारखंड के खूंटी जिले) के उलीहातू गांव में हुआ था। वे एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और आध्यात्मिक नेता थे। उन्होंने 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ 'उलगुलान' (विद्रोह) का नेतृत्व किया और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। 9 जून 1900 को मात्र 25 वर्ष की आयु में हैजा से उनकी मृत्यु हो गई।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा :

जन्म: 15 नवंबर 1875 को उलीहातू गांव में, उनका जन्म बृहस्पतिवार को हुआ था, इसीलिए उनका नाम 'बिरसा' पड़ा।

माता-पिता: पिता का नाम सुगना मुंडा और माता का नाम कर्मी मुंडा था।

शिक्षा: उन्होंने शुरू में मिशनरी स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। हालाँकि, बाद में जब वे आदिवासी संस्कृति के शोषण को महसूस करने लगे तो उन्होंने स्कूल छोड़ दिया।

उलगुलान आंदोलन और नेतृत्व

आंदोलन: ब्रिटिश नीतियों और जमींदारों के शोषण के खिलाफ उन्होंने 'उलगुलान' नामक एक आंदोलन शुरू किया, जिसका उद्देश्य आदिवासियों को उनके भूमि और पारंपरिक अधिकारों के लिए संगठित करना था।

बिरसैत' धर्म की स्थापना: उन्होंने ईसाई धर्म त्यागने के बाद, लोगों को एकजुट करने के लिए एक नया धर्म 'बिरसैत' शुरू किया।

शहादत: 1899 में उनके आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 9 जून 1900 को रांची जेल में उनकी मृत्यु हो गई।

विरासत

'धरती आबा': आज भी आदिवासी समाज उन्हें 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के रूप में पूजते हैं।

जनजातीय गौरव दिवस: उनकी जयंती, 15 नवंबर, को भारत में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कानूनी प्रभाव: उनके आंदोलन के कारण ही 1908 में छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट पारित हुआ, जिसने आदिवासियों की भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की।

1. प्रार्थना

प्रार्थना

माँ शारदे कहाँ तू वीणा बजा रही हैं,
किस मंजु ज्ञान से तू जग को लुभा रही हैं,
किस भाव में भवानी तू मग्न हो रही है,
विनती नहीं हमारी क्यों माँ तू सुन रही है,
हम दीन बाल कब से विनती सुना रहें हैं,
चरणों में तेरे माता हम सर झुका रहे हैं,
हम सर झुका रहे हैं ...मां शारदे कहाँ तू, वीणा........
अज्ञान तुम हमारा माँ शीघ्र दूर कर दो,
द्रुत ज्ञान शुभ्र हम में माँ शारदे तू भर दे,
बालक सभी जगत के सूत मात हैं तुम्हारे,
प्राणों से प्रिय है हम तेरे पुत्र सब दुलारे,
तेरे पुत्र सब दुलारे .. मां शारदे कहाँ तू, वीणा.....
हमको दयामयी तू ले गोद में पढ़ाओ,
अमृत जगत का हमको माँ शारदे पिलाओ,
मातेश्वरी तू सुन ले सुंदर विनय हमारी,
करके दया तू हर ले बाधा जगत की सारी,
बाधा जगत की सारी मां शारदे कहाँ तू, वीणा.......

बिहार राज्य गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे

वो नजर दे कि करुँ कद्र हरेक मजहब की
वो खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा ही दे गंग – जमन नाज करे

आधे रास्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार

ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

छात्र – प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है।
इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है।
हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे।
हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सब के साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं।उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

कैमूर चेतना सत्र

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशीष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

"जिस दिन आप यह समझ जाते हैं कि आपको कौन-कौन रोक रहा है, उसी दिन सफलता की शुरुआत हो जाती है।"

3. दिवस विशेष

जनजातीय गौरव दिवस

यह दिन स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के रूप में मनाया जाता है।

क्यों मनाते हैं: यह जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और उनके योगदान को याद करने का अवसर है, जिन्हें अक्सर इतिहास में पर्याप्त पहचान नहीं मिली।

कैसे मनाते हैं: सरकार और विभिन्न संगठन जनजातीय संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनियाँ और चर्चाएँ आयोजित करते हैं।

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस

4. आज का इतिहास

2000 : झारखंड बिहार से अलग होकर भारत का 28वां राज्य बना। इस दिन को झारखंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1949 : महात्मा गांधी की हत्या के दोषी नाथूराम गोडसे और उनके सहयोगी नारायण दत्तात्रेय आप्टे को फांसी दी गई।

2008: रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर वाई वेणुगोपाल रेड्डी को संयुक्त राष्ट्र द्वारा गठित एक टास्क फोर्स में शामिल किया गया।

5. सामान्य ज्ञान

1. बिहार में सबसे पहले संगठित किसान आंदोलन किसने चलाया? — स्वामी सहजानंद सरस्वती
2. बिहार के चंपारण में गांधीजी आंदोलन किस वर्ष शुरू हुआ? — 1917
3. चंपारण आंदोलन किस मुद्दे से संबंधित था? — नील की जबरन खेती (तीनकठिया प्रथा)
4. चंपारण सत्याग्रह का नेतृत्व स्थानीय स्तर पर किसने किया? — राजकुमार शुक्ल
5. बिहार में नमक आंदोलन का नेतृत्व किसने किया? — डॉ. राजेंद्र प्रसाद
6. ‘बिहार विद्यापीठ’ की स्थापना किसने की थी? — महात्मा गांधी (1921)
7. बिहार में ‘कैदी दिवस’ किस आंदोलन से जुड़ा हुआ है? — भारत छोड़ो आंदोलन
8. जयराम शर्मा और कुँवर सिंह किस संघर्ष के नायक थे? — 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम
9. वीर कँवर सिंह ने 1857 में किस अंग्रेजी सेनापति को हराया था? — कैप्टन लायल
10. बिहार में ‘अशफाक उल्लाह खाँ पार्क’ किस शहीद के सम्मान में है और वे किस आंदोलन से जुड़े थे? — अशफाक उल्लाह खाँ – काकोरी आंदोलन-
11. 5. स्वदेशी आंदोलन किसके विरोध में शुरू हुआ? — बंगाल विभाजन
12. होमरूल लीग की स्थापना किसने की? — तिलक और एनी बेसेंट
13. जलियांवाला बाग हत्याकांड कब हुआ? — 13 अप्रैल 1919
14. असहयोग आंदोलन कब शुरू हुआ? — 1920
15. असहयोग आंदोलन किस कारण वापस लिया गया? — चौरी-चौरा कांड (1922)

6. भाषा ज्ञान

मासूमियत — भोला स्वभाव
स्वच्छता — सफाई
अधिकार — हक
Future — भविष्य
जिज्ञासा — जानने की इच्छा
अनुशासन — नियम पालन
Child — बच्चा
Rights — अधिकार

7. कंप्यूटर ज्ञान

IP Address : यह एक विशिष्ट संख्या है जो किसी कंप्यूटर या नेटवर्क डिवाइस को इंटरनेट पर पहचानने के लिए दी जाती है।

Wi-Fi का पूरा नाम है ➤ Wireless Fidelity

Ctrl + P ➤ प्रिंट करने का शॉर्टकट

8. तर्क ज्ञान

यदि CUP को कोड में DVO लिखा जाता है, तो PEN को कैसे लिखा जाएगा?

➡ उत्तर: QFO

9. प्रेरक प्रसंग

"एक छोटी-सी मदद"

गांव के बाहरी हिस्से में एक लड़का रहता था—आदित्य। वह बहुत तेज़, होशियार और मेहनती था, लेकिन एक कमी थी—वह किसी की परेशानी पर ध्यान नहीं देता था। उसे लगता था कि "सबको अपनी चिंता खुद करनी चाहिए।"एक दिन स्कूल से लौटते समय उसकी नज़र एक बुजुर्ग व्यक्ति पर पड़ी,जो सड़क पार करते समय ठोकर खाकर गिर गए थे। लोग पास से गुजर रहे थे, पर कोई रुक नहीं रहा था।आदित्य भी आगे बढ़ गया,लेकिन दो कदम चलने के बाद उसे अपनी दादी की बात याद आई—"बेटा, इंसान की असली पहचान उसके अंकों में नहीं,उसकी संवेदनशीलता में होती है।"
आदित्य तुरंत पलटा और उस बुजुर्ग को उठाया।
उन्होंने कहा—"बेटा, मैं रोज़ इसी रास्ते से गुजरता हूँ,लेकिन आज चक्कर आ गया।शुक्र है तुम रुक गए, वरना पता नहीं क्या होता..."आदित्य ने उन्हें धीरे-से घर पहुँचाया ।उनके परिवार ने बहुत धन्यवाद दिया।
अगले दिन जब आदित्य स्कूल पहुँचा,तो उसे पता चला कि बुजुर्ग व्यक्तिस्कूल के पूर्व शिक्षक थे—श्री राघवन साहब ।
प्रधानाचार्य ने सभी बच्चों के सामने कहा—"कल हमारे एक पूर्व शिक्षक को घर तक पहुँचाने वाला छात्रयही—आदित्य है।यह सिर्फ मदद नहीं,यह संवेदनशीलता का परिचय है।इसी भावना से समाज आगे बढ़ता है।"यह सुनकर आदित्य की आंखों में चमक आ गई।उसे पहली बार समझ आया—"दूसरों की मदद करना बड़े कामों से नहीं,छोटे-छोटे कदमों से शुरू होता है।"उस दिन से आदित्य हर किसी के प्रतिज़्यादा समझदार, दयालु और संवेदनशील हो गया।

10. बूझो तो जानें

ऐसी कौन-सी चीज़ है,जो बोलती नहीं,लेकिन हर सवाल का जवाब दे देती है?सोचिए... सोचिए...---

उत्तर:किताब

11. रोचक तथ्य

गर्म पानी ठंडे पानी से जल्दी बर्फ बन जाता है।इसे 'एम्पेम्बा इफेक्ट' कहते हैं।

13. विभागीय सूचना

1. नवंबर माह के PBL MIP लांच कर दिया गया है सभी विद्यालय जल्द से जल्द उसे अपने अपने विद्यालयों में कम्पलीट करके दीक्षा पोर्टल पर मिप कम्पलीट करें |

14. सुरक्षित शनिवार

माह – नवम्बर तीसरा शनिवार

विषय : भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉक ड्रिल)

आओ जानें

- ❑ अक्सर वे लोग घायल होते हैं जो जैसे ही भूकंप आता है, घर से बाहर भागने लगते हैं।
- ❑ एक नियमित अभ्यास (झुको, ढको, पकड़ो) भूकंप के खतरे को कम कर सकता है।

ज़रूरी बातें

- ❑ यदि भूकंप आ जाए और आप घर के अंदर हों, तो जब तक कंपन बंद न हो जाए, बाहर नहीं निकलें।
- ❑ किसी मजबूत टेबल या फर्नीचर के नीचे छुप जाएँ।
- ❑ यदि आपके आसपास टेबल न हो, तो सिर व गर्दन को हाथों से ढक लें, स्कूल बैग या कोई भी सामान सिर पर रखकर किसी सुरक्षित कोने में बैठ जाएँ।
- ❑ भूकंप से बचने का नियमित अभ्यास या मॉक ड्रिल करना चाहिए।

मॉक ड्रिल के सात चरण

1. प्रथम चरण – अलार्म बजाना
2. दूसरा चरण – झुको, ढको और पकड़ो
3. तीसरा चरण – कंपन समाप्त होने पर निकलना
4. चौथा चरण – सभी का सुरक्षित स्थान पर जमा होना
5. पाँचवाँ चरण – संख्या की गणना (हेड काउंट)
6. छठा चरण – रिपोर्ट तैयार करना
7. सातवाँ चरण – प्राथमिक चिकित्सा की कार्यवाही

घरवालों के लिए संदेश

- ❑ भूकंप आने पर घबराकर घर से बाहर की ओर न न भागें।
- ❑ कंपन बंद होने पर सुरक्षित, खुले मैदान या खाली स्थान पर जाएँ।
- ❑ भूकंप-रोधी घर बनवाएँ।